

20000 पं.सू. 1250 का आका 1250 1990 20
 160000
 27.11.93 280000
 29/11/93
 30.10.93
 (कै. सी. मालीवाल)
 हुसैन मालीवाल
 कां.पान.र. बंगला

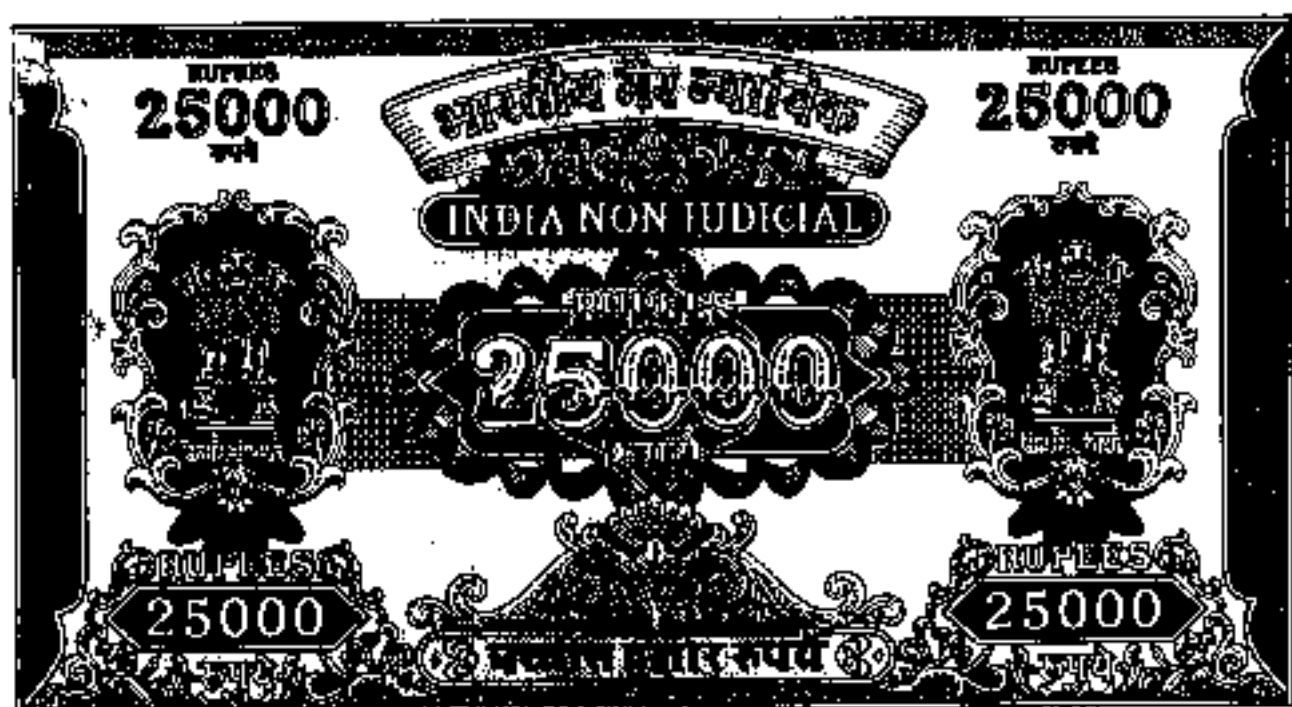
28/11/93
 28/11/93
 20-11-93
 30/10/93
 30-10-93



(कै. सी. मालीवाल) का खानपान
 30/10/93
 30-10-93

30/10/93
 30-10-93

30/10/93
 30-10-93



03DD 205659

-२-

- (२) आराजी एका वारह विक्ता वर्षा ० १३८ ईकैवर पिनकुमला तगर नम्बरान ३८२, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९० विक्ता है। लगान हिस्सा रसद - विलाधिकारी आगरा द्वारा स्टाम्प के लिये घोषित होचोय दर व्यालीस लाख रुपया प्रति ईकैवर के अनुसार इस विक्ता पर दर प्रति की दर से २,७१,१०० रुपया का स्टाम्प लगा किया गया है।

-०-०-०-

हमकि मैसर्स गन्नीलाल हाउसिंग कंपनी लिमिटेड गन्नीलाल, छ-जी। १२८ मऊ रोड तहसील व जिला आगरा द्वारा अधिले भागीदार व हस्ताक्षरों श्री पीयूष बन्नाल पुत्र श्री विनोदचन्द बन्नाल निवासी सिद्धार्थ एन्क्लेव मऊ आगरा द्वारा मुक्तार जय श्री सुधीर गुप्ता पुत्र श्री नरेन्द्रनाथ गुप्ता निवासी जी-३६, १९९३ मेहरन नगर जिला आगरा द्वारा मुक्तारनाथ नाम से दिनांक १६-७-२००२ व मुद्रिका १६-७-२००२ मुक्तार वही नं० ४ जिला दर के सफा १२८।१४८ मऊ ६४३ व दफतर उप निधि (प्रध) आगरा

जिला प्रकण्डा



जयदीप कुमार तिवारी
वतन महुकारी ज. नाम यमिनि वि.
आगरा



03DD 205660

-२-

।व।

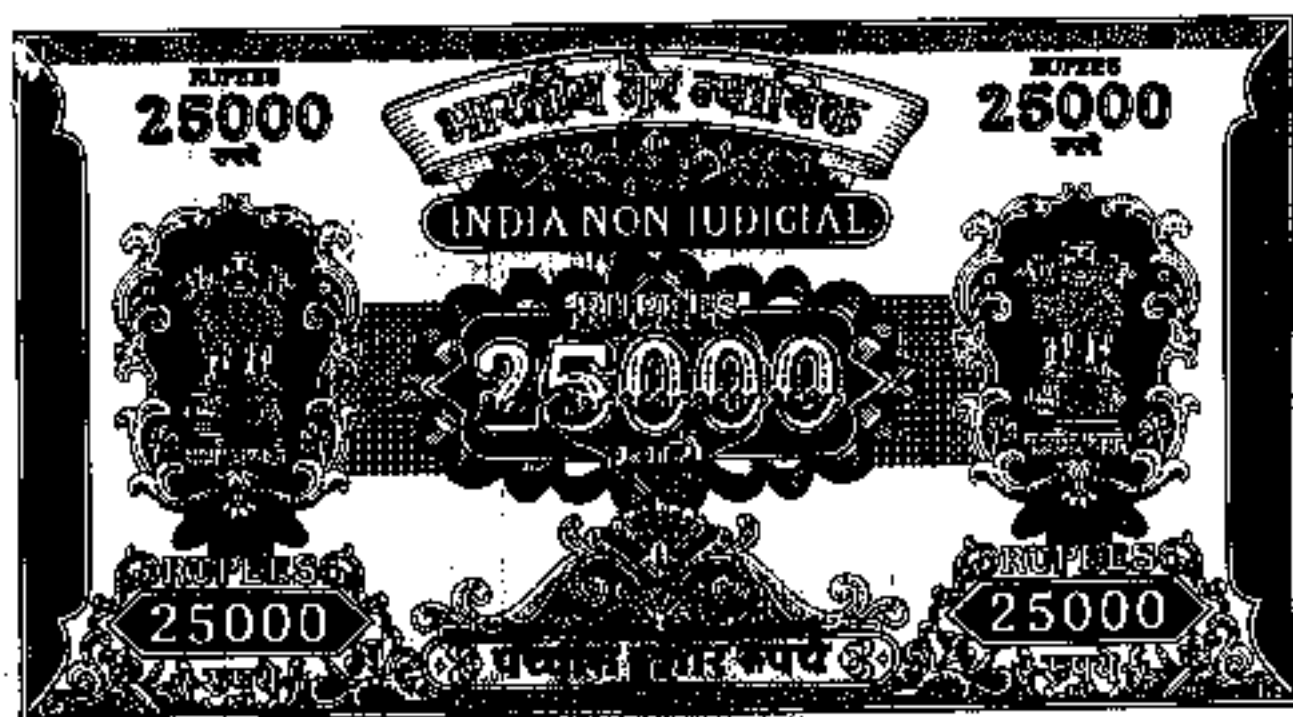
भावन सहकारी आवास समिति लि० जागरा निर्माण संस्था ३१३२ दिनांक ७-६-२००३ द्वारा वर्तमान सचिव व अधिकृत प्रतिनिधि व कर्तादारी श्री जयदीप कुमार शिवारी पुर श्री मनोमोहल निवासी २३ विनायक विहार ककरीठा शहर जागरा-----क्रेता दितोयक्ता है।

विदित है कि उक्त वर्णित क्रॉड (१) की आराखी रक्का दो बीघा चार बिन्दा की प्रथमका ने दारा बेनामा लिखित श्रीमती मालती उर्मी व श्री विकास उर्मी मौरास मैरर्स मन्मोहल लाउरिई कम्पनी द्वारा भागीदार श्री पीयूष अग्रवाल लेऊ दिनांक १६-१०-२००१ व मुसद्दिका १६-१०-२००१ मुल्जार् फोटोमेटे वही संस्था १ मुस्तक तपक संख्या ३४६२ के सफा १५७।१८८ नम्बर ४३६३ व दफतर उप निर्वाह-१ जागरा और भौतिक कब्जा प्राप्त किया और व वादेश श्रीमान नायब तहसील दार विजपुरी मुकका नम्बर १४।२००१ गृनफासिला ८-१-२००२ के अपना नामाकेन रेवेन्यू रिकार्ड्स में वहीसिक्त संक्रमणीय मुगिधर के वाधकता कराया

सहकारी लि० सं० निष्ठावक



उपरीफ कुरर शिवारी
सचिव
भावन सहकारी आवास समिति लि०
जागरा



03DD 205661

-४-

लौह पालिका का विषय व संक्रमणीय भूमिधर बने ।

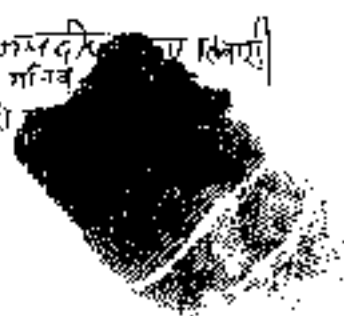
विहित है कि उक्त वर्णन क्रमांक (२) की आराखी रक्वा
आरह विस्वा की प्रथमपदा ने द्वारा बनाया लिखित श्री विवेक मोहन शर्मा
द्वारा मुक्तार श्री विनय कुमार शर्मा परेखा मैक्स गेनेसीलाल हाउसिंग कंपनी
द्वारा मागीदार श्री पीयूष अम्बाल से दिनांक १६-१०-२००१ व मुद्रिका
१६-१०-२००१ मुद्रिका फोटोस्टेट वही संख्या १ आख्या तपन ३४६७ के सफा
२०७।१५६ नम्बर ४३६२ व दफतर उप निर्वाह-१ आगरा के हरीदा और
पौतिक रक्वा प्राप्त किया और व बादेश श्रीमान नाथ तहसीलदार विवेपुरी
पुक्का नम्बर १५।२००१ मुद्रिकासिला ८-१-२००२ के अपना नामांकन रोज़ेन्
रिक्वाड्स में वहैलिया संक्रमणीय भूमिधरी के धावाकता कराया ।

विहित है कि ऊपर दिये गये वर्णन के अनुसार कृत आराखी
रक्वा की वीधा सोलह विस्वा के प्रथमपदा बाहिर पालिका का विषय व संक्रमणीय
भूमिधर हैं अन्य जोह दावेदार या क्लीकदार जादि किसी प्रकार का नहीं
है और प्रथमपदा की उक्त आराखी भूमिधरी आज तक प्रत्येक प्रकार से

मुद्रिकासिला ८-१-२००२ मुद्रिकासिला



आरदरी
मिनिव
बाबत सहकारी



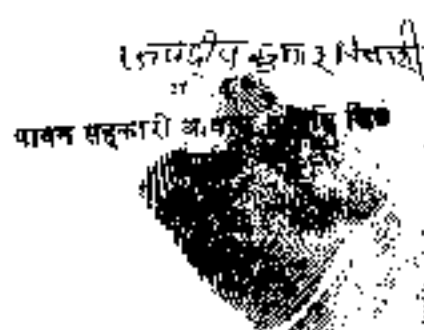


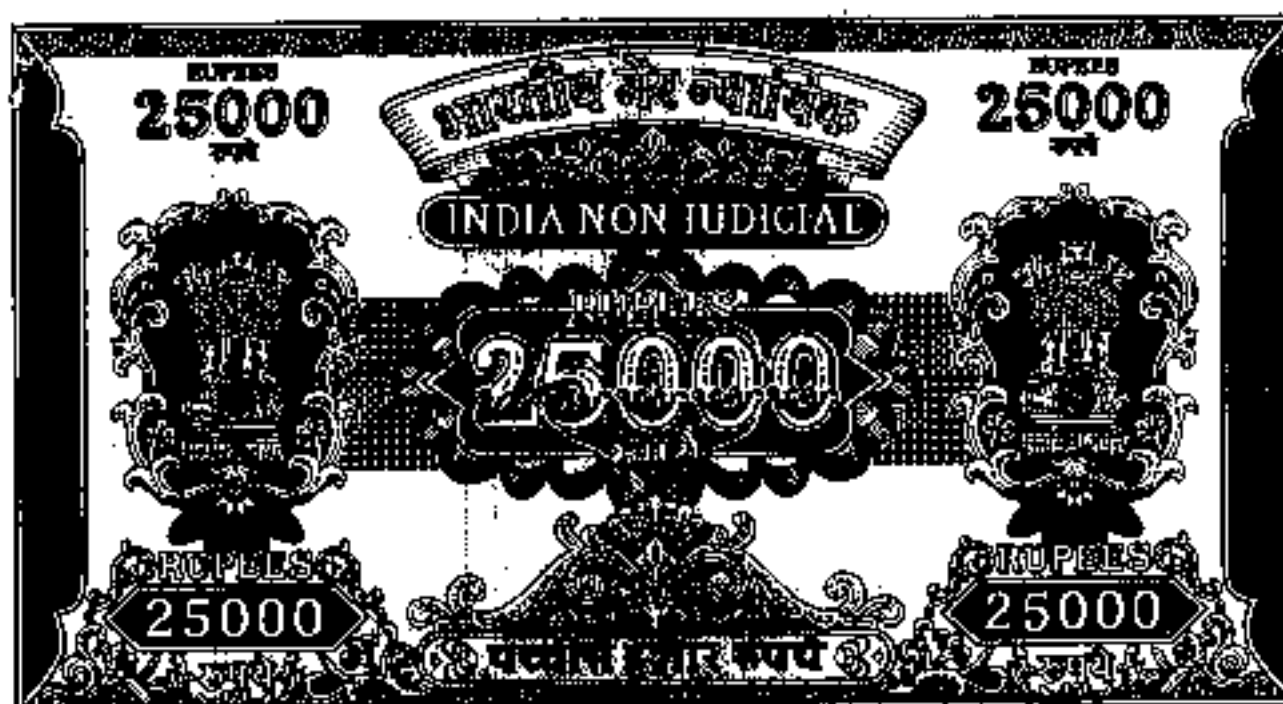
03DD 205662

-५-

कृण-विक्रय-दान-अपान्त-गोदेवादि से कसई पाक व साफ है और उसका कोई भाग भज्जु या राजकीय वास्तुमान का नहीं है और न ग्राम ऊना में निहित है और न किसी भी सीलिंग वाद में अतिरिक्त स्थित भूमि घोषित हुआ है और न अर्घ्यपित हुआ है और न कोई मुआवजा प्रथमपदा या अन्य ने प्राप्त किया है और दोनों मूल बेनामे प्रथमपदा के पास मौजूद हैं कि जो किसी वाद या अगान्त आदि में नहीं दिये गये हैं ।

विदित हो कि उक्त वर्णित क्रमांक (१) की आराखी के सम्पत्ति में एक मुकदमा वाद संख्या ४४६।२००२ व न्यायालय जूधिय गुरुसिक सिविल कोर्ट आगरा (माउली श्री अनाम गनेशीलाल हाउसिंग कम्पनी) और राजकीय है जिसमें अदालत के बाहर दोनों पक्षों के बीच युक्त हो गई है और उस युक्त के बियान्वत के लिये प्रथमपदा अपनी उक्त मूल आराखी हरीद अर्थात् जो बाजार में अधिक से अधिक कीमतपर बेचना चाहते हैं इस सम्बंध में उक्त मुकदमा नामा वाजावता सहरीर व तकमिल बियागया है कि जो जाय तक सही व सलिय है और उसके अधिकारों में कोई कमी नहीं हुई है तथा उसके निष्पक्ष श्री पीयूष अमवाल जीवित हैं तथा मिस्र गनेशीलाल हाउसिंग कम्पनी भी कार्यरत है । वर्तमान में द्वितीयपदा अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु



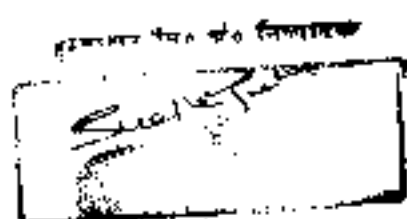


03DD 205663

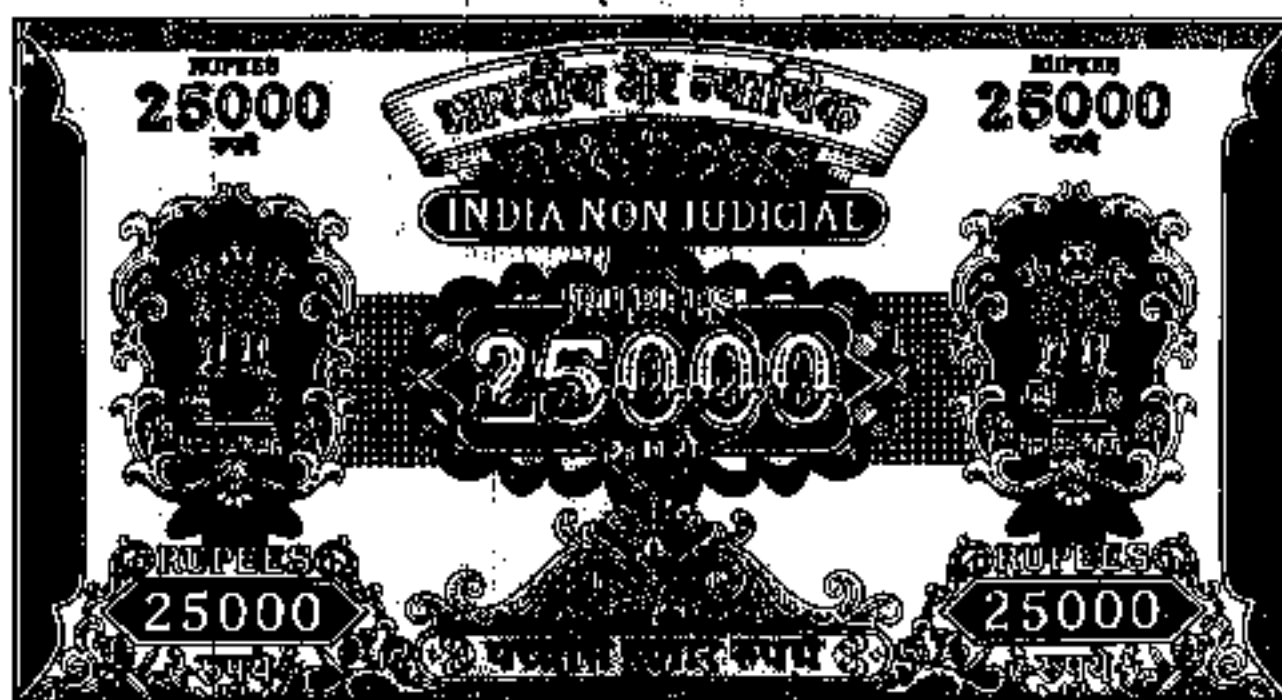
—६—

एवं सदस्यों के लाभार्थ उक्त आराजी का तरीकने का तैयार हैं जिसमें प्रमाणपत्र का पूरा-पूरा लाभ है अतः प्रथमपदा उक्त आराजी का द्वितीयपदा के एक में बेचने का तैयार हैं।

अतः प्रथमपदा ने स्वेच्छा तथा प्रयत्नपूर्वक सदस्यवृत्ति में तृति ईश्वर के किला बल्लये सिताये कथाय नाजायज के तूज सौच साभर कर उक्त कुल आराजी सम्मणीय भूमिधरी प्रेणी एक(क) को सम्पत्त स्वत्त्व व अधिकार व त्रि व लाभ व नामांकन के अधिकारों सहित बिना होड़े किसी अधिकार वापि के बाजारी कीमत से व स्वयं १६,००,०००) सोलह लाख रुपया कि बाधे बिसके आठ लाख रुपया होते हैं अद्वय पावन सहकारी नावास समिति लि० बागरा उक्त प्रेता द्वितीयपदा के बेच कर्तर् की धोर बेच दी ।

प्रमाणपत्र संख्या ००० निलमात्रिक


उत्तराखण्ड सहकारी
 सचिव
 पावन सहकारी नावास समिति लि०
 बागरा

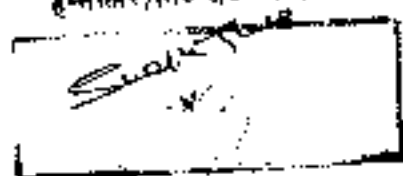


03DD 205664

-9-

प्रधमपदा ने कीमत के रुपये में से है: लाख रुपये विभिन्न तारीखों में द्वितीयपदा से इस विक्रयपत्र से पहले ध्याने में लाने पाकर गुरा दिये और और इस लाख रुपये द्वारा वो जितना कैद किया वगैरह नीचे दिया है के द्वितीयपदा से बचल पाना स्वीकार किया और दोनों मूल कैद प्रधमपदा ने प्राप्त किये और उक्त बाद में कुछ के पश्चात् उक्त कैदों का पुस्तान प्रधमपदा ने प्राप्त करना स्वीकार किया इस तरह प्रधमपदा को तब कोई रुपये पाना बाकी नहीं है और प्रधमपदा ने बेची गई आराजी

हस्ताक्षर/मोहर का प्रमाणित



उज्जयिनी कुमर खत्री

राजिव

पावन सहकारी आवास समिति लि

बागदा





0300 205665

-८-

भूमिधारी पर से अपना कब्जा व दखल हटाकर द्वितीयपदा को द्वारा सचिव के कब्जा व दखल कराते हुये द्वितीयपदा को बाराखी भूमिधारी मुद्दा का मालिक मुस्तकिल व काविज बना दिया तथा गृह टायटिल दे दिया। तब द्वितीयपदा को पूरा अधिकार है कि वह बाराखी भूमिधारी मुद्दा में कौंसिल का मालिक काविज के चाहे जैसे लाभ उठाये अण-विक्रम आदि करें अपने उद्देश्यों

हस्ताक्षर वि० सं० निम्नानुसार



पच्चीस हजार रुपये
रायन सहकारी अ. व. सं. समिति लि०
बोम्बे



0300 205666

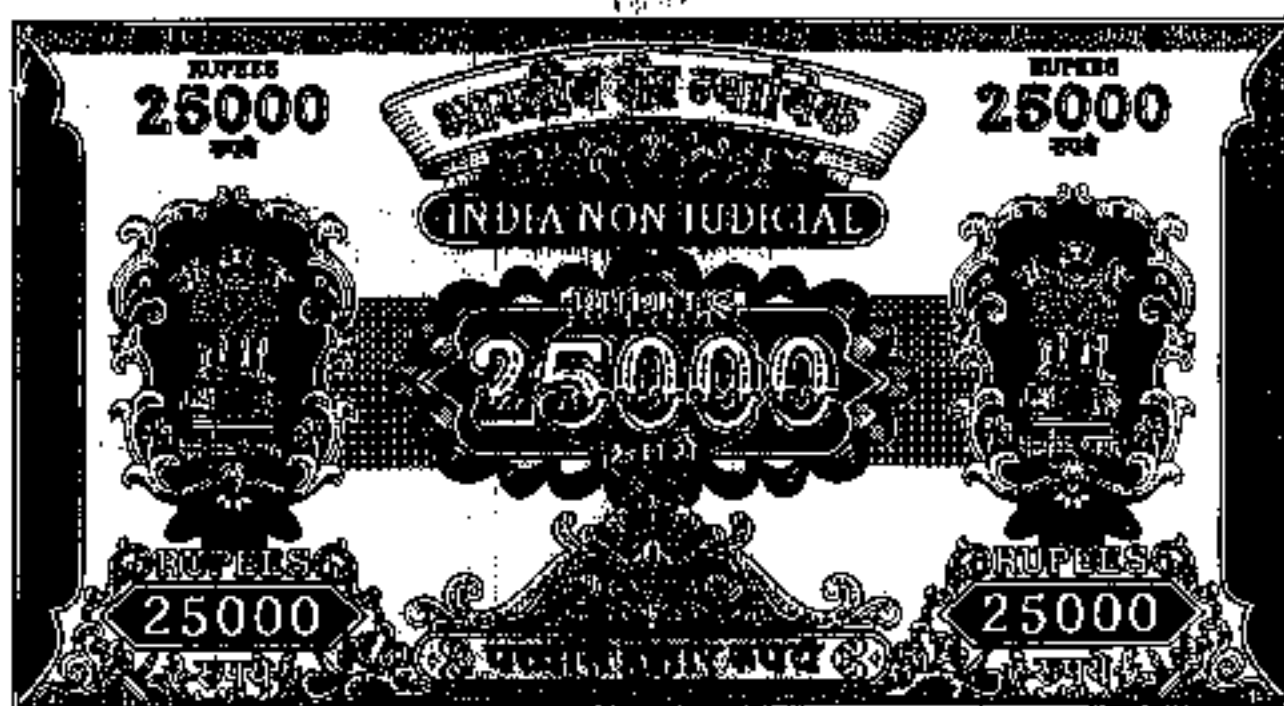
-६-

की पूर्ति करें तामीरात आदि कार्य करें और जहाँ जिस सौर स्तम्भाल में जहाँ
 और अपना नागरिकन रेवेन्यू पैकाईस आदि में कराते प्रथमपदा अपना सदस्य
 प्रदान करेंगे आज तक के बकाया लगान प्रथमपदा बदा करेंगे और आज के चौपद के
 द्वितीयपदा बदा करेंगे ।



उपस्थित सुकर मिश्री
 पावन सहकारी ज वास समिति विष्णु
 आगरा





0300 205667

-२०-

यदि मविष्य में कभी कोई वावैदार किसी भी प्रकार का गाराज
 भूमिधरी मुख्या के सम्बन्ध में पैदा होकर कोई धावा व फगड़ा स्तियफत है
 करे और उसके कारण या प्रभावता के विफेक्ट टायटिल है या किसी
 गलत ध्यानी है या उक्त मुक्तारबागा में कोई विफेक्ट पाये जाने की तर्ज



अपरीत (सुपरवेयर)
 वायन सहज नि. अ. वाय. सांभलि वि.
 बागरा



5000Rs.



-२९-

है कच्चा या दलत या स्वागित्त्य पूर्ण या आर्थिक रूप से आराजगी गृह्यो का
वित्तीयपक्ष से निराल जावे तो उन कुल की जवाबदेही व जिम्मेदारी व लदा
करना जरेसमन का मय सुद व हरजा व हरना के व जिम्मे जाल वारा व जा कदा
हर किम प्रधमपदा व भागी वारन व अपरिसान प्रधमपदा के है और आयदा

हस्ताक्षर/दि० अं० निष्ठावक



जयदीप कुमार शर्मा

श्री ग्य
बाबन सहकारी अवास समिति लि.
जागरा

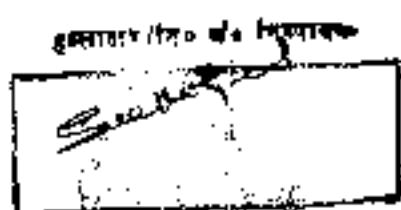


5000Rs.



-२२-

होगी और इसमें प्रथमपदा व उसके मागोदारान व वारिसान को कमीशन
लापसि नहीं होगी । अतः दस लाख रुपये के दो डिवा के एकाउण्ट में
कोरियेंटल बैंक ऑफ़ जीमर्स सेंज प्लेस बागदा नम्बरी ४५३६२२ तथा
४५३६२२ प्रत्येक सादा दो (५,००,०००) रुपये दस्तखती अध्या व तक्षि



जयदीप कुमार शर्मा
संस्था
वाचन सहकारी कवास समिति लि.
बागदा

5000Rs.



-१३-

पावन सहकारी आवास समिति लि० बागरा एकाउण्ट नम्बर ७६०५ प्रथम पदा ने प्राप्त कर लिये है । इस बैनामा का कुल हरचा द्वितीयपदा के बिम्बे है । प्रथमपदा उत्तर बाद में वाजावता सुल्ल होने के उपरान्त ही उत्तर कैनों का मुक्तान प्राप्त करने के पार्के व अधिकारी हैं ।



अपदीय (अपदीय) बैनामा
मि. वि.
पावन सहकारी आवास समिति लि०
बागरा

5000Rs.



-१४-

अतः यह वैनामा स्वयं सिद्धांत फटाकारों के लिए दिया कि इनके
रखेबाँर समयपर काम आवे । नोट-पर्स २ की सतर २ में (३८२) व फर्स ४ की सतर
५ में (१६-१०-२००१) व फर्स १० की सतर ४ में (या) व फर्स ११ की सतर ४ में



जायदीप कुमार शर्मा
पावन सहकारी अवास समिति लि०
बापरा



1000Rs.



-१५-

(वाणिज्य) व पर्त १२ की सतर १ मे (होगी) गन्दे हें जो हकरी पंरु हें।
लेल दिनांक- ३० (तीस) अक्टूबर सन् २००३ ई०।

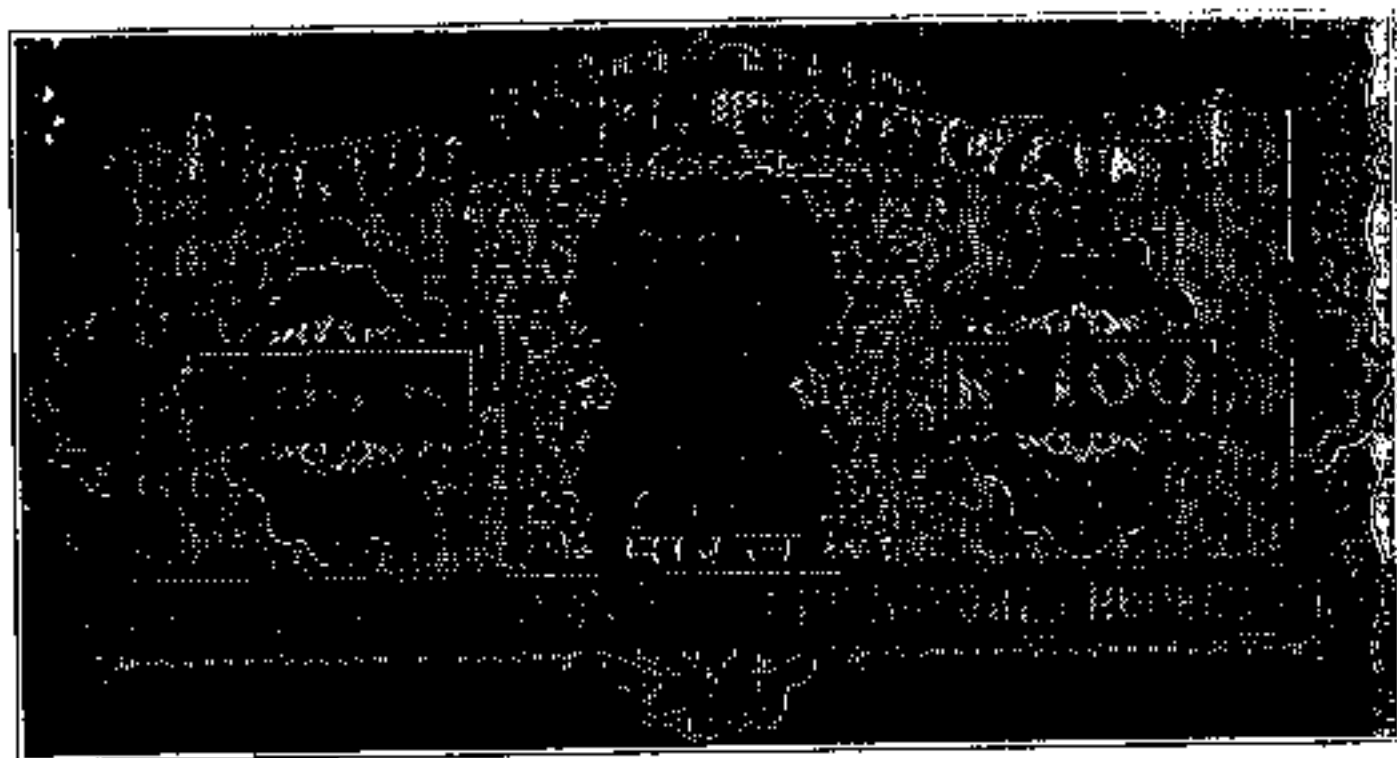
हस्ताक्षर/नि० अ० निष्ठादक



अपरीक्षित स्वामी
सचिव
बाबन सहकारी आवास समिति लि०
वायस



100Rs.



-२६-

बनसौदा - पं० छन्दा नम्रसाद कोशल निवासी नूरीदत्ताबा आगरा।

टायफ्वाइड पूरनचन्द शर्मा तहसील परिसर आगरा।

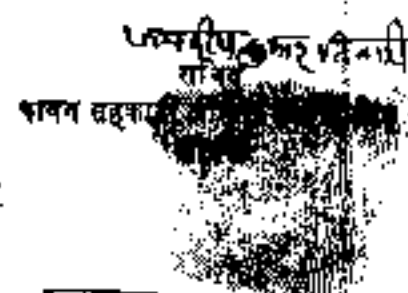
इसका नं० : ३२००
 अनुज : ६ : २०२५ तक विधि बाध
 निवा :
 पी नं० : ३२००
 बस्ता नं० : ३२००
 PAN ABAPK 1876-P



नाम : Dr. Anil Chandra
 पद : Dr. P. A. Chandra
 निवास : 1, Birla's Enclave - Dargah Bag - Jharkhand
 हस्ताक्षर/निष्ठा : [Signature]

१००-२५५५
 १००-२५५५

नाम : P. Anil Kumar
 पद : P. Anil Kumar
 निवास : ३५, केन्द्रीय अस्पताल, अशोकनगर, दिल्ली।
 हस्ताक्षर/निष्ठा : [Signature]

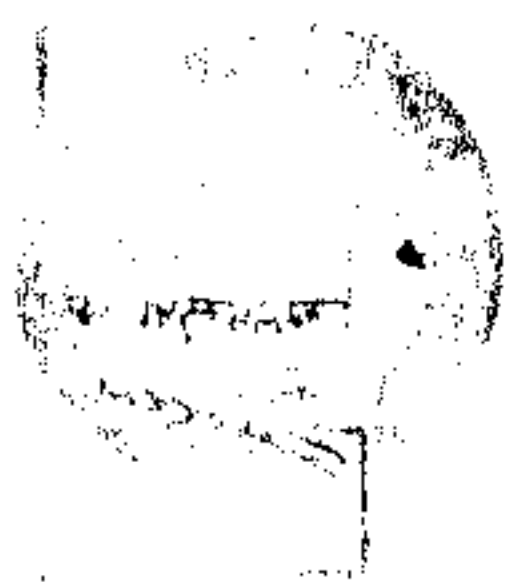


[Signature]

7733
5/1/03

7732
पुनर्वसन अभ्यास
संस्थापक
संस्थापक, अनाथ
संस्थापक, अनाथ

3



संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक

संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक

संस्थापक

372/03-04
15-1-05

संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक
संस्थापक